सामाजिक विज्ञान

(भूगोल)

अध्याय-6: जनसंख्या

Fukey Education

जनगणना

एक निश्चित समयांतराल में जनसंख्या की आधिकारिक गणना जनगणना कहलाती है।

भारत की जनगणना

भारत में सबसे पहले 1872 में जनगणना की गई थी। हालांकि 1881 में पहली बार एक संपूर्ण जनगणना की जा सकी। उसी समय से प्रत्येक 10 वर्ष पर जनगणना होती है।

भारत की कुल जनसंख्या

2011 की जनगणना के अनुसार भारत की कुल जनसंख्या 1210193422 है। जो विश्व की कुल जनसंख्या का 17.5 प्रतिशत है।

सबसे अधिक जनसंख्या वाला राज्य

2011 की जनगणना के अनुसार देश का सबसे अधिक जनसंख्या वाला राज्य उत्तर प्रदेश है। जहाँ की कुल आबादी 199281477 है। उत्तर प्रदेश में देश की कुल जनसंख्या का 16 प्रतिशत हिस्सा निवास करता है।

सबसे कम जनसंख्या वाला राज्य

2011 की जनगणना के अनुसार देश का सबसे कम जनसंख्या वाला राज्य सिक्किम है। जहाँ की कुल आबादी 607688 है।

Fukey Education

भारत की आधी आबादी वाले राज्य :-

भारत की लगभग आधी आबादी पाँच राज्यों में निवास करती है। ये राज्य हैं – उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, बिहार, पश्चिमी बंगाल और आन्ध्र प्रदेश।

जनसंख्या घनत्व

प्रति इकाई क्षेत्रफल में रहने वाले लोगों की संख्या को जनसंख्या घनत्व कहते हैं।

Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com

भारत में जनसंख्या घनत्व

2011 में भारत का जनसंख्या घनत्व 382 व्यक्ति प्रति वर्ग कि० मी० था। जहाँ बिहार का जनसंख्या घनत्व 1,102 व्यक्ति प्रति कि० मी० है, वहीं अरुणाचल प्रदेश में यह 17 व्यक्ति प्रति कि० मी० है।

भारत मे सबसे अधिक जनसंख्या घनत्व वाला राज्य

2011 की जनगणना के अनुसार सबसे अधिक जनसंख्या घनत्व वाला राज्य पश्चिमी बंगाल है। यहाँ जनसंख्या घनत्व 1028 व्यक्ति प्रति वर्ग कि . मी . है।

भारत मे सबसे कम जनसंख्या घनत्व वाला राज्य

सबसे कम जनसंख्या घनत्व वाला राज्य अरूणाचल प्रदेश है, यहाँ जनसंख्या घनत्व 17 व्यक्ति प्रति वर्ग कि० मी० है।

जनसंख्या वृद्धि

जनसंख्या वृद्धि का अर्थ होता है, किसी विशेष समय अंतराल में, जैसे 10 वर्षों के भीतर, किसी देश / राज्य के निवासियों की संख्या में परिवर्तन।

इस प्रकार के परिवर्तन को दो प्रकार से व्यक्त किया जा सकता है। पहला, सापेक्ष वृद्धि तथा दूसरा, प्रति वर्ष होने वाले प्रतिशत परिवर्तन के द्वारा।

निरपेक्ष वृद्धि

प्रत्येक वर्ष या एक दशक में बढ़ी जनसंख्या, कुल संख्या में वृद्धि का परिमाण है। पहले की जनसंख्या (जैसे 2001 की जनसंख्या) को बाद की जनसंख्या (जैसे 2011 की जनसंख्या) से घटा कर इसे प्राप्त किया जाता है। इसे ‘ निरपेक्ष वृद्धि ‘ कहा जाता है।

वार्षिक वृद्धि

Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com

प्रति वर्ष 2 प्रतिशत वृद्धि की दर का अर्थ है कि दिए हुए किसी वर्ष की मूल जनसंख्या में प्रत्येक 100 व्यक्तियों पर 2 व्यक्तियों की वृद्धि। इसे वार्षिक वृद्धि दर कहा जाता है।

जनसँख्या वृद्धि के घटक

- जन्मदर
- मृत्युदर
- प्रवास

जन्मदर :- एक वर्ष में प्रति हजार व्यक्तियों में जितने जीवित बच्चों का जन्म होता है उसे जन्म दर कहते है, भारत में जन्मदर हमेशा मृत्यु दर से अधिक रही है।

मृत्युदर :- एक वर्ष में प्रति हजार व्यक्तियों में मरने वालों की संख्या को मृत्यु दर कहा जाता है।

प्रवास :- लोगों का एक क्षेत्र से दूसरे क्षेत्र में चले जाना प्रवास कहलाता है प्रवास आंतरिक तथा अंतरराष्ट्रीय हो सकता है। भारत में अधिकतर प्रवास गांव से शहर की तरफ होता है क्योंकि शहरों में बेहतर रोजगार, शिक्षा तथा स्वास्थ्य इन लोगों को आकर्षित करते भारत में प्रवास के कारण नगरीय जनसंख्या में वृद्धि हुई हैं।

आयु संरचना

किसी देश में जनसंख्या की आयु संरचना वहां के विभिन्न आयु समूहों (age groups) के लोगो की संख्या को दर्शाती है :-

बच्चे (15 वर्ष से कम) :- ये आर्थिक रूप से उत्पादनशील नहीं होते इन्हें केवल भोजन, वस्त्र तथा स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध करवाने की ज़रूरत होती है।

वयस्क (15 से 59 वर्ष) :- ये देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ होते हैं तथा यही देश के संसाधनों का अत्यधिक दोहन करते हैं और यह जनसंख्या का कार्यशील वर्ग है।

वृद्ध (59 वर्ष से अधिक) :- ये अधिकतर समूह उत्पादक नहीं होते तथा ये कार्यशील तथा अवकाश प्राप्त दोनों हो सकते हैं ये अपनी इच्छा से कार्य कर सकते हैं।

Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com

लिंगानुपात

प्रति 1000 पुरुषों पर महिलाओं की संख्या को लिंगानुपात कहा जाता है।

भारत मे लिंगानुपात

2011 की जनगणना के अनुसार प्रति हजार पुरुषों पर 943 महिलाएं।

2011 की जनगणना के अनुसार केरल में लिंगानुपात 1084 है। जबकि दिल्ली में लिंगानुपात 866 है।

साक्षर

एक व्यक्ति जिसकी आयु 7 या उससे अधिक हो तथा किसी भाषा को समझकर लिख और पढ़ सकता है उसे साक्षर कहा जाता है।

भारत की साक्षरता दर

भारत की साक्षरता के स्तर में लगातार सुधार हो रहा है 2011 की जनगणना के अनुसार देश की साक्षरता दर 74.08 प्रतिशत है। जिसमें पुरुषों की साक्षरता 82.14 प्रतिशत एवं महिलाओं की 65.46 प्रतिशत है।

भारत में सबसे अधिक साक्षरता वाला राज्य :- केरल (93.9 प्रतिशत) है।

भारत में सबसे कम साक्षरता वाला राज्य :- बिहार (63.82 प्रतिशत) है।

व्यावसायिक सरचना

विभिन्न व्यवसायों को करने के लिए देश मे भिन्न भिन्न लोग होते हैं और इन व्यावसायों को बांटा गया है –

प्राथमिक :- खेती, पशुपालन, खनन

द्वितीयक :- उद्योग धंधे

Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com

तृतीयक :- परिवहन, संचार

वर्तमान समय मे द्वितीयक तथा तृतीयक व्यवसाय बढ़ने लगे हैं तथा अधिकांश विकसित देशों में यही व्यवसाय सर्वाधिक लोगों द्वारा किए जाते हैं है जबकि भारत जैसे विकाशसील देश में प्राथमिक कार्य करने वाले लोगों की संख्या अधिक है।

स्वास्थ्य

स्वास्थ्य जनसंख्या की संरचना का एक महत्वपूर्ण घटक है और यह विकास की प्रक्रिया को भी प्रभावित करता है।

सरकारी कार्यक्रमों के निरंतर प्रयासों द्वारा भारत की जनसंख्या के स्वास्थ्य स्तर में सुधार हुआ है तथा मृत्यु दर में भी कमी आई है।

किशोर जनसंख्या

भारत की जनसंख्या की सबसे प्रमुख विशेषता इसकी किशोर जनसंख्या है। किशोर 10 से 19 आयु वर्ग के होते है और ये भविष्य के सबसे महत्वपूर्ण मानव संसाधन हैं।

किशोरों को पोषक तत्वों की आवश्यकता बच्चों तथा वयस्कों से अधिक होती है लेकिन भारत मे बहुत सी किशोर बालिकाएं रक्तहीनता से पीड़ित हैं।

राष्ट्रीय जनसंख्या नीति 2000

- 14 वर्ष से कम आयु के बच्चे को निशुल्क शिक्षा प्रदान करना।
- शिशु मृत्यु दर को प्रति 1000 में 30 से कम करना।
- व्यापक स्तर पर टीकारोधी बीमारियों से बच्चों को छुटकारा दिलाने।
- लड़कियों की शादी की उम्र बढ़ाने।
- परिवार नियोजन के लिए एक नीतिगत ढांचा प्रदान करती है।

राष्ट्रीय जनसंख्या नीति 2000 और किशोर

Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com

इसके अनुसार किशोरों की पहचान जनसंख्या के उस प्रमुख भाग के रूप में की गई है जिस पर बहुत अधिक ध्यान देने की ज़रूरत है।

किसी भी राष्ट्र के लिए वहां के लोग बहुमूल्य संसाधन होते हैं और एक शिक्षित एवं स्वस्थ जनसंख्या ही कार्यक्षम शक्ति प्रदान करती है।

Fukey Future's Key Fukey Education

Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com

NCERT SOLUTIONS

प्रश्न (पृष्ठ संख्या 62)

प्रश्न 1 नीचे दिए गए चार विकल्पों में सही विकल्प चुनिए:

1. निम्नलिखित में से किसी क्षेत्र में प्रवास, आबादी की संख्या, वितरण एवं संरचना में परिवर्तन लाता है।

a) प्रस्थान करने वाले क्षेत्र में

b) आगमन वाले क्षेत्र में

c) प्रस्थान एवं आगमन दोनों क्षेत्रों में

d) इनमें से कोई नहीं।

उत्तर – c) प्रस्थान एवं आगमन दोनों क्षेत्रों में

2. जनसंख्या में बच्चों का एक बहुत बड़ा अनुपात निम्नलिखित में से किसका परिणाम है?

a) उच्च जन्म दर

b) उच्च मृत्यु दर

c) उच्च जीवन दर

d) अधिक विवाहिता जोडे

उत्तर –a) उच्च जन्म दर

3. निम्नलिखित में से कौन-सा एक जनसंख्या वृद्धि का परिमाण दर्शाता है?

a) एक क्षेत्र की कुल जनसंख्या

b) प्रत्येक वर्ष लोगों की संख्या में होने वाली वृद्धि

c) जनसंख्या वृद्धि की दर

d) प्रति हजार पुरुषों पर महिलाओं की संख्या

उत्तर – b) प्रत्येक वर्ष लोगों की संख्या में होने वाली वृद्धि

4. 2001 की जनसंख्या के अनुसार एक साक्षर व्यक्ति वह है।

Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com

a) जो अपने नाम को पढ़ एवं लिख सकता है।

b) जो किसी भी भाषा में पढ़ एवं लिख सकता है।

c) जिसकी उम्र 7 वर्ष है तथा वह किसी भी भाषा को समझ के साथ पढ़ एवं लिख सकता है।

d) जो पढ़ना-लिखना एवं अंकगणित, तीनों जानता है।

उत्तर – c) जिसकी उम्र 7 वर्ष है तथा वह किसी भी भाषा को समझ के साथ पढ़ एवं लिख सकता है।

प्रश्न 2 निम्नलिखित के उत्तर संक्षेप में दें।

1. जनसंख्या वृद्धि के महत्त्वपूर्ण घटकों की व्याख्या करें।

उत्तर - जनसंख्या वृद्धि के महत्त्वपूर्ण घटक जन्म दर, मृत्यु दर एवं प्रवास हैं।

- **जन्म दर (Birth Rate):** एक वर्ष के दौरान 1000 लोगों पर जीवित पैदा हुए बच्चों की संख्या। यह जनसंख्या के आकार तथा घनत्व दोनों में वृद्धि करती है। यदि किसी वर्ष के दौरान जन्मों की संख्या मृतकों की संख्या से अधिक हो तो उस वर्ष के दौरान कुल जनसंख्या में वृद्धि हो जाएगी।
- **मृत्यु दर (Death rate):** यह एक वर्ष के दौरान 1000 लोगों पर मृतकों की संख्या को प्रदर्शित करती है। यह जनसंख्या के आकार तथा घनत्व दोनों में कमी ला देता है। यदि किसी वर्ष के दौरान मृतकों की संख्या जन्मों की संख्या से अधिक हो तो उस वर्ष के दौरान कुल जनसंख्या में कमी हो जाएगी।
- **प्रवास (Migration):** लोगों का एक क्षेत्र से दूसरे क्षेत्र में चले जाने को प्रवास कहते हैं। जनसंख्या वितरण एवं उसके घटकों को परिवर्तित करने में प्रवास की महत्त्वपूर्ण भूमिका होती है क्योंकि यह आगमन तथा प्रस्थान दोनों ही स्थानों के जनसांख्यिकीय आंकड़ों को प्रभावित करता है। प्रवास आंतरिक (देश के भीतर) या अंतर्राष्ट्रीय (देशों के बीच) हो सकता है। आंतरिक प्रवास जनसंख्या के आकार में परिवर्तन नहीं करता लेकिन देश में जनसंख्या के वितरण को प्रभावित करता है।

2. 1981 से भारत में जनसंख्या की वृद्धि दर क्यों घट रही है?

Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com

उत्तर –

a) उच्च जन्म दर,

b) निम्न मृत्यु दर,

c) प्रवसन।

3. आयु संरचना, जन्मदर एवं मृत्युदर को परिभाषित करें।

उत्तर - आयु संरचना-किसी देश में जनसंख्या की आयु संरचना वहाँ के विभिन्न आयु समूहों के लोगों की संख्या को बताता है। यह जनसंख्या की मूल आवश्यकताओं में से एक है। जन्मदर-एक वर्ष के दौरान 1000 लोगों पर जीवित पैदा हुए बच्चों की संख्या को जन्मदर कहते हैं। मृत्युदर-एक वर्ष की अवधि में 1000 लोगों पर मृत व्यक्तियों की संख्या को मृत्युदर कहते हैं।

4. प्रवास, जनसंख्या परिवर्तन का एक कारक।

उत्तर - लोगों का एक क्षेत्र से दूसरे क्षेत्र में चले जाने को प्रवास कहते हैं। जनसंख्या वितरण एवं उसके घटकों को परिवर्तित करने में प्रवास की महत्त्वपूर्ण भूमिका होती है क्योंकि यह आगमन तथा प्रस्थान दोनों ही स्थानों के जनसांख्यिकीय आंकड़ों को प्रभावित करता है। प्रवास आंतरिक (देश के भीतर) या अंतर्राष्ट्रीय (देशों के बीच) हो सकता है। आंतरिक प्रवास जनसंख्या के आकार में परिवर्तन नहीं करता लेकिन देश में जनसंख्या के वितरण को प्रभावित करता है।

- प्रवास जनसंख्या के गठन एवं वितरण में बदलाव में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।
- भारत में अधिकतर प्रवास ग्रामीण क्षेत्रों से अपकर्षण (Push) कारक प्रभावी होते हैं। ये ग्रामीण क्षेत्रों में गरीबी एवं बेरोजगारी की प्रतिकूल अवस्थाएँ हैं तथा नगर का 'कर्षण' (Pull) प्रभाव रोजगार में वृद्धि एवं अच्छे जीवन स्तर को दर्शाता है। 1951 में शहरी जनसंख्या 17.29 प्रतिशत थी जो 2001 में बढ़कर 27.78 प्रतिशत हो गई।
- 1991 से 2001 के बीच एक ही दशक के दौरान "दस लाख से अधिक" की जनसंख्या वाले महानगर 23 से बढकर 35 हो गए हैं।

प्रश्न 3 जनसंख्या वृद्धि एवं जनसंख्या परिवर्तन के बीच अंतर स्पष्ट करें?

उत्तर - जनसंख्या वृद्धि एवं जनसंख्या परिवर्तन के बीच निम्नलिखित अंतर हैं-

Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com

क्रमांक संख्या	जनसंख्या वृद्धि	जनसंख्या परिवर्तन
1.	जनसंख्या वृद्धि से तात्पर्य किसी क्षेत्र में निश्चित अवधि के दौरान रहने वाले लोगों की संख्या में परिवर्तन है।	जनसंख्या परिवर्तन से आशय किसी क्षेत्र में निश्चित अवधि के दौरान जनसंख्या वितरण, संरचना या आकार में परिवर्तन से है।
2.	इसमें पिछली जनसंख्या को बाद की जनसंख्या से घटाकर ज्ञात किया जाता है।	जनसंख्या परिवर्तन तीन प्रक्रियाओं के आपसी संयोजन के कारण आता है- जन्मदर, मृत्युदर और प्रवास।
3.	वृद्धि को संख्या के रूप में प्रकट किया जाता है।	जनसंख्या परिवर्तन सापेक्ष वृद्धि और प्रतिवर्ष होने वाले प्रतिशत परिवर्तन के द्वारा देखा जाता है।

प्रश्न 4 व्यावसायिक संरचना एवं विकास के बीच क्या संबंध है?

उत्तर - विभिन्न प्रकार के व्यवसायों के अनुसार किए गए जनसंख्या के वितरण को व्यावसायिक संरचना कहा जाता है। व्यवसायों को सामान्यत: प्राथमिक, द्वितीयक एवं तृतीयक श्रेणियों में वर्गीकृत किया जाता है। व्यवसायों को प्राय: प्राथमिक (कृषि, खनन, मछलीपालन आदि) द्वितीयक (उत्पादन करने वाले उद्योग, भवन एवं निर्माण कार्य) एवं तृतीयक (परिवहन, संचार, वाणिज्य, प्रशासन तथा सेवाएँ) श्रेणियों में वर्गीकृत किया जाता है। विकसित एवं विकासशील देशों में द्वितीयक एवं तृतीयक व्यवसायों में कार्य करने वाले लोगों का अनुपात अधिक होता है। विकासशील देशों में प्राथमिक क्रियाकलापों में कार्यरत लोगों का अनुपात अधिक होता है। भारत में कुल जनसंख्या का 64 प्रतिशत भाग केवल कृषि कार्य करता है। द्वितीयव, एवं तृतीयक क्षेत्रों में कार्यरत लोगों की संख्या का अनुपात क्रमश: 13 तथा 20 प्रतिशत है। वर्तमान समय में बढ़ते हुए औद्योगीकरण एवं शहरीकरण में वृद्धि होने के कारण द्वितीयक एवं तृतीयक क्षेत्रों में व्यावसायिक परिवर्तन हुआ है।

प्रश्न 5 स्वस्थ जनसंख्या कैसे लाभकारी है?

Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com

उत्तर – स्वास्थ्य जनसंख्या की संरचना का एक महत्त्वपूर्ण घटक है जो कि विकास की प्रक्रिया को प्रभावित करता है। स्वस्थ जनसंख्या राष्ट्र के लिए एक परिसंपत्ति होती है। एक अस्वस्थ व्यक्ति की अपेक्षाकृत स्वस्थ व्यक्ति अधिक उत्पादनशील तथा दक्ष होता है। वह अपने सामर्थ्य को क्रियान्वित कर सकता/ सकती है तथा समाज एवं देश के विकास में अपना योगदान दे सकता/ सकती है। सरकारी कार्यक्रमों के निरंतर प्रयास के द्वारा भारत की जनसंख्या के स्वास्थ्य स्तर में महत्त्वपूर्ण सुधार हुआ है। परिणामस्वरूप, मृत्यु दर जो 1951 में (प्रति हजार) 25 थी, 2001 में घटकर (प्रति हजार) 8.1 रह गई है। जीवन प्रत्याशा जो कि 1951 में 36.7 वर्ष थी, बढ़कर 2001 में 64.6 वर्ष हो गई है

प्रश्न 6 राष्ट्रीय जनसंख्या नीति की मुख्य विशेषताएँ क्या हैं?

उत्तर - राष्ट्रीय जनसंख्या नीति वर्ष 2004 में घोषित की गयी।

इसकी प्रमुख विशेषताएँ इस प्रकार हैं-

- किशोर-किशोरियों को असुरक्षित यौन संबंधों के कुप्रभावों/ कुपरिणामों के बारे में जागरूक करना।
- गर्भनिरोधक सेवाओं को पहुँच और खरीद के दायरे के भीतर रखना।
- खाद्य संपूरक को पोषणिक सेवाएँ उपलब्ध कराना।
- बाल विवाह को रोकने के कानून को और अधिक कारगर बनाना।
- शिक्षा और स्वास्थ्य की शिक्षा का प्रचार एवं प्रसार करना।
- किशोर-किशोरियों की पहचान जनसंख्या के उस भाग के रूप में करें जिस पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है।
- इनकी पोषणिक आवश्यकताओं की ओर ध्यान देना।
- अवांछित गर्भधारण तथा यौन संबंधों से होने वाली बीमारियों से किशोर-किशोरियों की सुरक्षा करना।
- किशोर-किशोरियों की अन्य आवश्यकताओं के प्रति विशेष ध्यान देना।
- देर से विवाह और देर से संतानोत्पत्ति को प्रोत्साहित करना।

Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com